हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 115 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 26 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

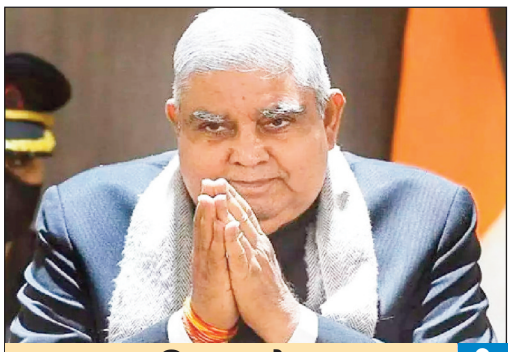

उपराष्ट्रपति आज से उत्तराखंड की दो दिवसीय यात्रा पर

3

जमरानी बांध परियोजना को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

प्रधानमंत्री से बैठकों में निरंतर परियोजना मामले को उठाते रहे हैं सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अक्टूबर , उत्तराखंड के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण जमरानी बांध परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस बांध परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ होने से हल्द्वानी व आसपास के क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई की समस्या का हल होगा। उत्तराखण्ड के जनपद नैनीताल में काठगोदाम से 10 कि०मी० अपस्ट्रीम में गौला नदी पर जमरानी बांध (150.60 मी0 ऊंचाई) का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना से लगभग 1,50,000 हेक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होगा, साथ ही हल्द्वानी शहर को वार्षिक 42 एमसीएम पेयजल उपलब्ध कराए जाने तथा 63 मिलियन यूनिट जल विद्युत उत्पादन का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहद एवं मध्यम) के अन्तर्गत जमरानी बांध परियोजना के वित्त पोषण हेतु निवेश स्वीकृति एवं जल शक्ति मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई थी। उक्त स्वीकृतियों के उपरान्त पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड, वित्त मंत्रालय भारत सरकार को वित्तीय स्वीकृति हेतु जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। प्रस्ताव पर वित्त मंत्रालय द्वारा इसी वर्ष मार्च माह में आयोजित पी०आई०बी० की बैठक में सहमति व्यक्त की गई।

भारत सरकार द्वारा रू0 1730.20 करोड़ की स्वीकृति पी०एम०के०एस०वाई० में 90 प्रतिशत (केन्द्रांश) 10 प्रतिशत (राज्यांश) के अन्तर्गत प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। शेष धनराशि का वहन संयुक्त रूप से उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के साथ किये गये एम0ओ0यू0 के अनुसार किया जायेगा।

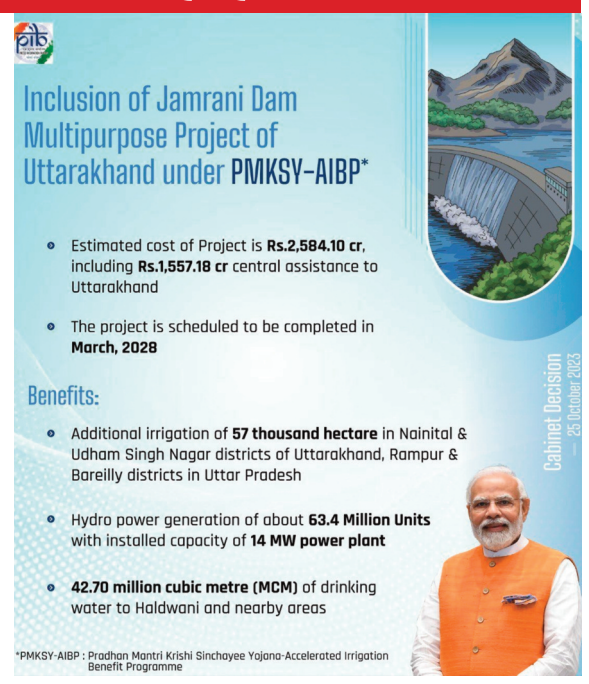

जमरानी बांध परियोजना से प्रभावित 351.55 हेक्टेयर वन भूमि सिंचाई विभाग को हस्तांतरित करने हेतु वन भूमि (स्टेज-2) अंतिम स्वीकृति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माह जनवरी 2023 में प्रदान कर दी गयी है, जिससे प्रस्तावित बांध निर्माण की राह और आसान होगी तथा परियोजना प्रभावित परिवारों के विस्थापन हेतु प्राग फार्म की प्रस्तावित 300.5 एकड भूमि का प्रस्ताव दिनांक 18.05.2023 को उत्तराखण्ड सरकार की कैबिनेट में पारित किया जा चुका है। उपरोक्त प्रस्तावित भूमि को शीघ्र ही सिंचाई विभाग को हस्तांतरित किये जाने के लिए भी कार्यवाही गतिमान है। इसी क्रम में अब इस बांध परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट ने अपनी हरी झंडी प्रदान कर दी है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विगत दिनों में प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठकों में जमरानी बांध की स्वीकृति का अनुरोध लगातार करते रहे हैं। अब, केंद्रीय कैबिनेट इस अहम योजना को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है जिसके बाद पेयजल सहित सिंचाई समस्याओं से लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलना तय है। वर्ष 1975 से वित्त पोषण के अभाव में परियोजना का निर्माण प्रारम्भ नहीं हो सका परन्तु मुख्यमंत्री धामी के सतत प्रयासों के फलस्वरूप जमरानी बांध परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। दरअसल, मुख्यमंत्री धामी इस अति महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री जी के साथ हुई बैठकों में लगातार अनुरोध करते रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार : पुष्कर सिंह धामी, सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अक्टूबर , जमरानी बांध परियोजना हेतु स्वीकृति प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक आभार। यह परियोजना उत्तराखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल सिंचाई एवं पेयजल की हल्द्वानी व आसपास के क्षेत्रों में दिक्कत दूर होगी। बल्कि इस परियोजना से विद्युत उत्पादन भी होगा। प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से उत्तराखंड में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। राज्य को निरंतर विकास कार्यों के लिए केंद्र का सहयोग प्राप्त हो रहा है। हाल ही में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने नैनीताल के हल्द्वानी में स्थित एचएमटी की बहुप्रतिक्षित 45.33 एकड़ भूमि उत्तराखंड सरकार को हस्तांतरित कर दी है। मंत्रालय ने भूमि हस्तांतरण के आदेश भी जारी कर दिए हैं। राज्य सरकार कई वर्षों से भूमि प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध कर रही थी। इस भूमि पर मिनी सिडकुल का निर्माण करने की योजना है।

इसी तरह, केदारनाथ पुनर्निर्माण, बद्रीनाथ पुनर्विकास, मानसखंड मन्दिर माला मिशन, किच्छा में एम्स का सेटेलाइट सेंटर, वंदेभारत एक्सप्रेस, केदारनाथ व हेमकुंड रोप वे जैसी अहम योजनाएं उत्तराखंड के विकास में मील के नए पत्थर स्थापित कर रहे हैं। अब श्रद्धालु उत्तराखंड से कैलाश मानसरोवर के दर्शन कर सकेंगे। हाल

ही में प्रधानमंत्री जी के आदि कैलाश और जागेश्वर की यात्रा से मानासखंड में भी चार धाम की भांति श्रद्धालु आने के लिए प्रेरित होंगे। केंद्र की मंजूरी मिलने के बाद लखवाड़ हाइड्रो प्रोजेक्ट पर भी काम शुरू हो गया है। ब्यासी प्रोजेक्ट को समय पर पूरा किया गया। किसाऊ जल विद्युत परियोजना से जुड़ी शेष औपचारिकताओं को भी जल्द पूरा कर काम शुरू किया जाएगा। इन परियोजनाओं से न सिर्फ उत्तराखंड की बिजली जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि राष्ट्र की बिजली जरूरतों को पूरा करने में उत्तराखंड अहम भूमिका निभाएगा।प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व काम हुआ है। गदरपुर बाईपास एवं खटीमा बाईपास का लोकार्पण किया जा चुका है। मुरादाबाद से काशीपुर तक लगभग 61 किलोमीटर लंबे फोरलेन हाईवे के बनते ही मुरादाबाद से लेकर काशीपुर तक आने वाले सैकड़ों गांव और कस्बों के लोगों को सफर आसान होगा। नजीबाबाद-अफजलगढ़ फोरलेन बाईपास को ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के रूप में विकसित किया जाएगा। एक्सप्रेसवे बन जाने से गढ़वाल-कुमाऊं की दूरी एक घंटा कम हो जाएगी। दिल्ली देहरादून एलिवेटेड रोड से केवल ढाई घंटे में दिल्ली से देहरादून आ सकेंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट

लक्ष्य को साधने के लिए घरेलू रोड शो में मंत्रियों के साथ उतरेंगे मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अक्तूबर। निवेशक सम्मेलन से पूर्व सरकार हजारों करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग करना चाहती है। इसके लिए सरकार निवेशकों के साथ एमओयू भी कर रही है। लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार अब घरेलू रोड शो में जुटेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले निवेश लक्ष्य को साधने के लिए घरेलू रोड शो में उतरेंगे। धामी अपने तीन कैबिनेट मंत्रियों के साथ चेन्नई, अहममदाबाद और मुंबई में रोड शो करेंगे। वह बुधवार को चेन्नई के लिए रवाना भी हो जाएंगे। सोमवार को रोड शो की तैयारी बैठक हुई, जिसमें स्थान तय कर लिए गए। निवेशक सम्मेलन से पूर्व सरकार हजारों करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग करना चाहती है। इसके लिए सरकार निवेशकों के साथ एमओयू भी कर रही है। नई दिल्ली में निवेशकों को आकर्षित करने के अभियान के शुरुआत के साथ सरकार अब तक विदेश में रोड शो कर चुकी है।

ढाई लाख करोड़ रुपये का निवेश का लक्ष्य

इन तीनों रोड शो का नेतृत्व खुद मुख्यमंत्री धामी करेंगे। ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर प्रदेश सरकार को काफी कामयाबी मिली। इन तीनों ही स्थानों पर हुए रोड शो में सरकार 54,550 करोड़ रुपये के एमओयू कर चुकी है। सरकार ने निवेशक सम्मेलन के जरिये ढाई लाख करोड़ रुपये का निवेश का लक्ष्य रखा है।इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार अब घरेलू रोड शो में जुटेगी। अभी चेन्नई, मुंबई और अहमदाबाद के रोड शो तय हुए हैं। 26 अक्तूबर को चेन्नई में होने वाले रोड शो में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज शामिल होंगे। दूसरा रोड शो 28 अक्तूबर को मुंबई में होगा, जिसमें कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के साथ धामी भी रहेंगे। तीसरा रोड शो एक नवंबर को गुजरात के अहमदाबाद में होगा, जिसमें मुख्यमंत्री धामी के साथ कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल मौजूद रहेंगे।

ये जादुई खिड़की आपको कुछ भी दिखा सकती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , समंदर के नजारे , बीच पर बैठकर बर्फबारी का लुत्फ , ये जादुई खिड़की आपको कहीं भी कुछ भी दिखा सकती है.दरअसल कई बार ऐसा होता है कि हम चाहते हैं कि बैठे तो अपने घर में रहें लेकिन आंखों के सामने खूबसूरत कुदरती नज़ारें दिखाई दें. ऐसे में इंसान टीवी या फोन पर इनसे जुड़े हुए वीडियो देखता है. सोचिए अगर आपको बैठे-बैठे ये नज़ारें अपनी खिड़की से दिखने लगें, तो कितना बेहतरीन होगा. तकनीक के ज़रिये अब ऐसी ही मैजिकल विंडोआ गयी है जो आपके कमरे और घर में किसी जादू की तरह आपको मनचाहे नज़ारे और सीन दिखा सकती है.इस खिड़की खासियत ये है कि इसके लिए आपको बहुत ज्यादा मेहनत तो नहीं करनी है लेकिन टेक्नोलॉजी पर भरोसा करना होगा. ये हाई रिज़ॉल्यूशन डिजिटल खिड़की लिक्विड व्यू (Liquid Views) की ओर से बेची जा रही है. ये पारंपरिक खिड़की से बिल्कुल अलग है और आपकी आंखों को मनचाहा व्यू सेकेंड्स में दे सकती है.

खिड़की पर दिखेगा मनचाहा नज़ारा

अमेरिकन कंपनी Liquid Views अपने हाई रिज़ॉल्यूशन डिजिटल पैनल्स के लिए जाना जाता रहा है. ये ऐसी खिड़कियां बना रहा है, जो कहीं भी आसानी से घुल-मिल जाती हैं. सामान्य खिड़की पर भी अगर ये वर्चुअल विंडो लगा दी जाए तो ये सब्सक्रिप्शन बेस्ड कंटेंट लाइब्रेरी के साथ आती है. सीधी भाषा में कहें तो आप पैसे देकर दुनिया की किसी भी जगह को अपनी खिड़की पर वर्चुअल फॉर्म में लगा सकते हैं. इसे स्मार्टफोन ऐप के ज़रिये एक्सेस किया जा सकता है. विंडो लाइब्रेरी लोकल टाइम से जुड़ जाती है और आपको उस जगह का वैसा ही एक्सपीरियंस घर बैठे मिलता है.

बेहतरीन अनुभव देती है ये विंडो

इस वर्चुअल विंडो में मौजूद हर व्यू को नेशनल जियोग्राफिक लेवल के सिनेमेटोग्राफर फीचर फिल्म मोशन पिक्चर के कैमरा से सेट किए गए हैं. ये 24 घंटे के बीच करीब 8 हज़ार वीडियो से चलते हैं. हर विंडो के साथ ट्रिम रेडी इंस्टॉलेशन किट होती है. सिंगल पैनल वर्चुअल विंडो की कॉस्ट 20 लाख रुपये से लेकर 95 लाख रुपये तक है.

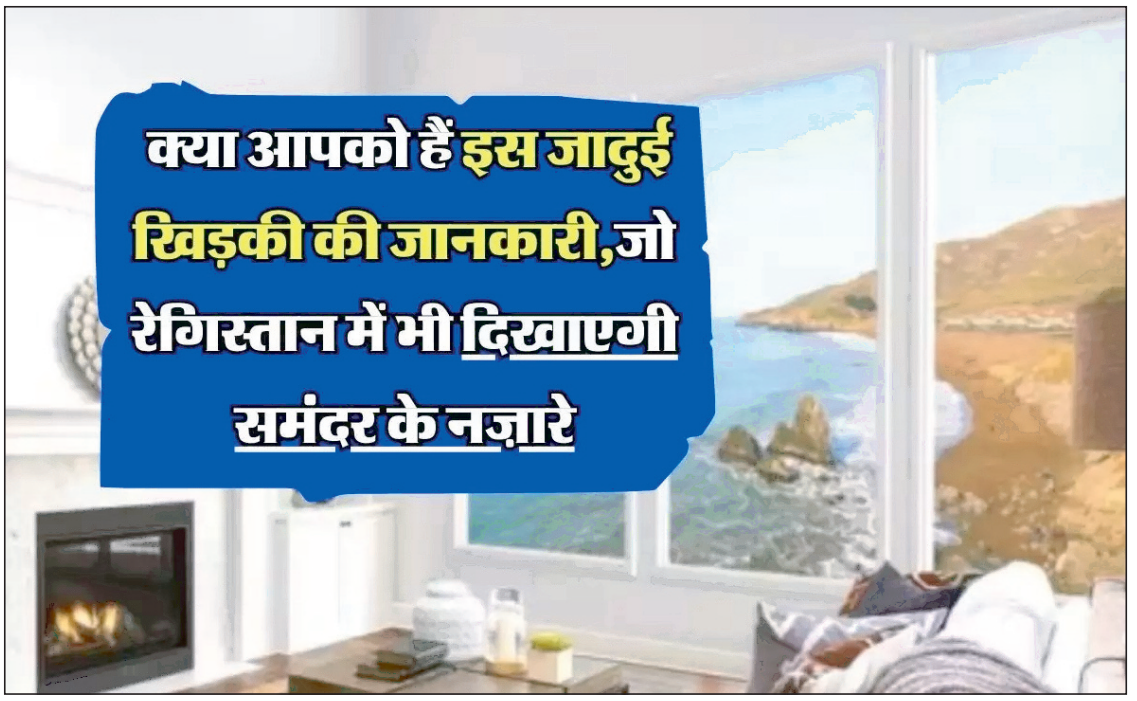

उत्तराखंड की रूबी के निराले शौक की क्यों है चर्चा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , आपने कपड़ों की बनी ड्रेस बनाने वाली और पहनने वाली बुटीक को हमेशा सुना ही होगा लेकिन क्या आपने कभी न्यूज़ पेपर की ड्रेस बना कर पहनते हुए सुना है. पर उधम सिंह नगर में एक ऐसी महिला है जो आजकल पेपर क्वीन के नाम से खूब वायरल हो रहीं हैं. इन्हें पेपर क्वीन इसलिए कहा गया है क्यों कि ये न्यूज़ पेपर से अपनी ड्रेस तैयार कर पहनती हैं. इनके इस निराले शौक ने इन्हें पेपर क्वीन का दर्जा दे दिया है. इन्होंने न्यूज पेपर कटिंग से फ्रॉक, गाउन, साड़ी, सलवार इत्यादि 53 ड्रेस बनाई हैं.

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं कपड़े सिलकर पहनती हैं और शहरों में बुटीक पर महिलाएं कपड़े सिलाकर कर पहनती हैं, लेकिन क्या आपने कभी अखबार की ड्रेस बना कर पहनते हुए देखा है। जी हां, उधम सिंह नगर में एक ऐसी महिला है, जो आजकल पेपर क्वीन के नाम से खूब वायरल हो रही हैं। इन्हें पेपर क्वीन इसलिए कहा गया है, क्योंकि ये अखबार से अपनी ड्रेस तैयार कर पहनती हैं। इनके इस निराले शौक ने इन्हें पेपर क्वीन का दर्जा दिला दिया है। पेपर क्वीन आजकल खूब चर्चाओं में हैं।

उधम सिंह नगर बाजपुर के गांव भोना इस्लाम नगर की रहने वाली रूबी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अचानक जैसे छोटे बच्चे अखबार की कतरन के कपड़े बना बना कर खेलते हैं और

अपने खिलौनों को पहनते हैं। ऐसे ही रूबी भी अखबार से ड्रेस डिजाइन का पहन रही हैं। रूबी पेपर क्वीन के नाम से चर्चित हो गई हैं और सोशल मीडिया पर इनका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। भोना इस्लाम नगर निवासी राजीव कुमार की 29 वर्षीय पत्नी रूबी ने जून माह में अखबार कटिंग से फ्रॉक, गाउन, साड़ी, सलवार इत्यादि 53 ड्रेस बनाई हैं। रूबी को लोग अब पेपर क्वीन के नाम जानने लगे हैं।

बचपन में अखबार से बनाती थीं खिलौने

रूबी ने बताया कि बचपन में वह खिलौने गुड़िया और गुड्डे को लिए अखबर की ड्रेस तैयार करती थीं, अब उन्होंने इसे अपनी कामयाबी वाला रास्ता के रूप में चुना है। अब तक वह दर्जनों अखबार वाली ड्रेस बना चुकी हैं और कई जगह पब्लिक में फैशन शो भी किया है। घर में गृहणी होते हुए बच्चों को संभालने के साथ-साथ अपने ड्रीम प्लान को अंजाम देती हैं। उन्हें ऐसा करने पर लोगों का काफी सपोर्ट भी मिल रहा है। कहा कि उन्हें एक अलग पहचान मिली है, जो आज उन्हें पेपर क्वीन के नाम से जानते हैं। जहां भी वह जाती हैं, उन्हें वायरल पेपर क्वीन के नाम से पहचान लेते हैं। अब उनका सपना है कि वह इसमें कामयाबी हासिल करें।

पेपर क्वीन रूबी के पति ने कहा कि हमें अपनी पत्नी पर बहुत गर्व है। मेरी पत्नी ने सभी महिलाओं को एक प्रेरणा दी। मेरी पत्नी न्यूज पेपर को इकट्ठा करके उसकी ड्रेस स्वयं ही बनाती है। हम न्यूज पेपर की बनी ड्रेस से लोगों को दिखाने के लिए मेले में भी जाते हैं और ड्रेस का प्रदर्शन करते हैं। हम किसान मेले में किसानों को न्यूज पेपर से बनी ड्रेस पर पेपर की ही फल और सब्जियां चिपका कर किसानों को भी एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं, हसते या मजाक उड़ाते हैं, उससे हमे कोई फर्क नहीं पड़ता हैं। लोगों का बहुत ही अच्छा स्पोर्ट मिल रहा है। पड़ोस में रहने वाले रामकिशन ने बताया कि रूबी का वीडियो वायरल होने पर कई लोग वास्तविक रूप में अखबारी पोशाकों को देखने आते हैं और इन्हें ये अलग पहचान मिली है। इनकी पहचान के साथ-साथ में उनके क्षेत्र का नाम भी रोशन हो रहा है, जोकि बहुत अच्छी बात है।

80 पैसे में बनती है 2000 रुपये वाली आपकी शर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , वॉलमार्ट से लेकर टॉमी हिलफीगर तक और प्यूमा से लेकर गैप जैसे सुपर ब्रांड्स के रेडिमेड गारमेंट्स ज्यादातर बांग्लादेश में बनते हैं. इसके बाद भारत, यूरोप और अमेरिका के बाजारों में बिकते हैं. इन ब्रांडेड गारमेंट्स की कीमत भारत में ही हजारों रुपये में होती है. ऐसे में आप ये सोच भी नहीं सकते कि इन्हें बनाने वाले कारीगरों को इन्हें तैयार करने के कितने पैसे मिलते होंगे? दरअसल, इन्हें बनाने वाले कारीगरों को हर घंटे के दस रुपये भी नहीं मिलते हैं. ऐसे में एक टीशर्ट को बनाने का मेहनताना बमुश्किल 80 पैसे के आसपास ही आता है.

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में दो अलग-अलग दुनिया हैं. एक दुनिया साफसुथरी सड़कों के दोनों तरफ ऊंची चाहरदीवारी के पीछे आलीशान बंगलों में रहने वाले लोगों की है. इनमें सभी सुख सुविधाओं का उपभोग करने वाले लोग रहते हैं. वहीं, दूसरी दुनिया 4,000 से ज्यादा रेडिमेड गारमेंट फैक्ट्रियों के इर्दगिर्द लगातार

फैलती झुग्गी झोपड़ियों में बसने वाले लाखों श्रमिकों और छोटे कारीगरों का आशियाना है. ढाका 40 लाख से ज्यादा श्रमिकों और छोटे कारीगरों का शहर है. इस शहर में हर दिन मजदूरों की तादाद में हजारों नए श्रमिक जुड़ जाते हैं. बता दें कि ढाका दुनिया में सबसे कम मजदूरी देने वाला शहर है.

हर दिन कितनी टी-शर्ट्स होती हैं तैयार

बांग्लादेश में दुनिया के बड़े से बड़े रेडिमेड ब्रांड के गारमेंट्स तैयार होते हैं. जेमी सीब्रूक

की किताब 'द सॉन्ग ऑफ शर्ट' में इसके बारे में विस्तार से लिखा गया है. एक जमाने में बाढ़ और तूफान से हर साल तकलीफ झेलने वाला छोटा सा देश अब चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेडिमेड गारमेंट्स निर्यातक है. यहां बनने वाली टी-शर्ट्स, स्वेटर, ट्राउजर, मेंस और वीमेंस शर्ट्स की सप्लाई दुनिया के हर कोने में होती है. यहां के 5,500 से ज्यादा कारखानों में हर 1.25 लाख टी-शर्ट्स बनती हैं. ये कारखाने ढाका, चटगांव और आसपास के इलाकों में फैले हैं.

ज्यादातर ब्रांड यहां कराते हैं आउटसोर्सिंग

दुनिया के ज्यादातर बड़े गारमेंट ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट्स की आउटसोर्सिंग बांग्लादेश से ही कराते हैं. दरअसल, बांग्लादेश में दुनिया का सबसे सस्ता श्रम है. इससे ब्रांड्स की लागत काफी घट जाती है. यही नहीं, इनके काम में काफी फिनिशिंग है. फिर भी विदेश में हजारों रुपये में बिकने वाले इन गारमेंट्स को बनाने वाले बांग्लादेशी कारीगरों और श्रमिकों को एक शर्ट बनाने के लिए 10 रुपये भी नहीं मिलत पाते हैं. यूरोप के सबसे बड़े रेडीमेड रिटेलर हैंस एंड मौरिट्ज यानी एचएंडएम का आधा काम बांग्लादेश में ही होता है. दुनिया के सबसे बड़े रिटेल ब्रांड वॉलमार्ट, ब्रिटेन के प्राइमर्क, इटली के राल्फ लौरेन बांग्लोदश को दिए जाने वाले आर्डर को लगातार बढा रहे हैं.

वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गुमानीवाला में वैली ब्रिज का लोकार्पण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 26 अक्टूबर,क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने गुमानीवाला में 01 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से बने वैली ब्रिज का लोकार्पण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश विधानसभा के विकास के लिए कभी धन की कमी नहीं आड़े आएगी। कहा कि आपदा के दौरान उन्होंने लगभग सभी जगह विभागीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर स्थायी समाधान के लिए निर्देशित किया था।

डॉ अग्रवाल जे बताया कि आपदा से प्रभावित क्षेत्रों के स्थायी समाधान के लिए प्राक्कलन रिपोर्ट तैयार की जा रही है। बताया कि शीघ्र इस पर कार्य धरातल पर दिखाई देगा।बता दें कि बीते माह अगस्त में भारी बारिश के होने से कैनाल रोड पर गुमानीवाला से रुषा फार्म और भट्टोवाला को जोड़ने वाली पुलिया बह गई थी। मंत्री डॉ अग्रवाल ने अगले रोज निरीक्षण के दौरान वैली ब्रिज बनाने के निर्देश दिए थे।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख भगवान सिंह पोखरियाल, मण्डल अध्यक्ष दिनेश पयाल, प्रधान दीपिका व्यास, समाजसेवी मानवेन्द्र कंडारी, पार्षद वीरेंद्र रमोला, मदन धनोला, रुकमा व्यास, सन्दीप कुड़ियाल, कुशाल मणि पंत, पंचायत सदस्य रीना रांगड़, बबिता डोभाल, पूजा थापा, संगीता सकलानी, रोशनी मिश्रवाण आदि उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति आज से उत्तराखंड की दो दिवसीय यात्रा पर

गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में करेंगे दर्शन

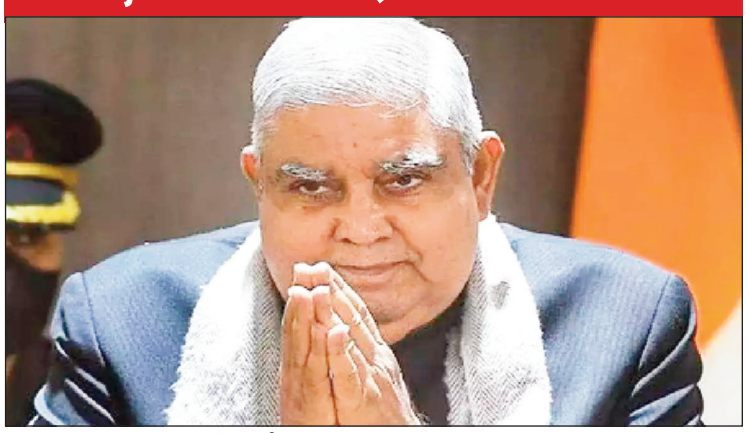

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अक्टूबर , उपराष्ट्रपति वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में कंट्री लेड इनिशिएटिव (CLI) के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ एवं डॉ. सुदेश धनखड़ आज से 27 अक्टूबर, तक उत्तराखंड की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं । उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद राज्य में उनकी यह पहली यात्रा होगी। धनखड़ पहले गंगोत्री जायेंगे और फिर अगले दिन वे केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के दर्शन भी करेंगे। इसके पश्चात 27 अक्टूबर को उपराष्ट्रपति धनखड़ वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित कंट्री लेड इनिशिएटिव (सी एल आई) के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। अपनी इस यात्रा में उनका देहरादून राजभवन जाने का भी कार्यक्रम है।

25 दिसंबर को लगेगा मां अनसूया मां का मेला

चमोली । मां अनसूया मंदिर में हर वर्ष मनायी जाने वाली दत्तात्रेय जयंती भव्य रूप से मनाई जाएगी। इस बार मां अनसूया का मेला 25 दिसंबर को लगेगा। जिसकी समिति ने तैयारी शरू कर दी है। मंदिर को विशेष रूप से फूलों से सजाने का निर्णय लिया गया है। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि अनसूया मंदिर के पुजारी अंकित सेमवाल द्वारा विधि- विधान से पंचांग पूजा कर दत्तात्रेय जयंती की तिथि का निश्चय किया गया। साथ ही कार्यक्रम भी घोषित किया गया।

कार्यक्रम के अनुसार 25 दिसंबर को सभी देव डोलियां मां के दरबार मे पहुंचकर भव्य स्वागत एवं पूजा-अर्चना की जायेगी। 25 दिसंबर की रात्रि भर मां का जागरण और पूजन होगा। संतान कामना के लिए मां दरबार में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये दम्पति बरोई (संतान वरदान) माता अनसूया के आगे सामूहिक तौर पर झोली फैला कर प्रार्थना और जागरण करेंगे । इस बार मां का दरबार भव्य रूप से फूलों से सजाया जायेगा। इस अवसर पर पुजारी सेवा समिति के पुजारीगण लक्ष्मी प्रसाद सेमवाल, बिनोद सेमवाल, मदन सेमवाल, प्रवीन सेमवाल, संन्जय तिवारी, कमेटी के अध्यक्ष बिनोद राणा, सचिव दिगम्बर सिंह, बीरू राणा, योगेंद्र सिंह, मनवीर, बिजेंद्र सिंह एवं अन्य लोग मौजूद थे।

पूर्व सीएम हरीश रावत की गाड़ी का हुआ एक्सीडेंट, हुए घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अक्तूबर। हल्द्वानी से काशीपुर जा रहे पूर्व सीएम हरीश रावत की गाड़ी का मंगलवार देर रात एक्सीडेंट हो गया। जिसमें पूर्व सीएम रावत घायल हो गए। उनका इलाज काशीपुर के एक अस्पताल में चला। इलाज के बाद अस्पताल से पूर्व सीएम रावत को छुट्टी दे दी गई है।हल्द्वानी से काशीपुर जा रहे पूर्व सीएम हरीश रावत की फोर्च्यून गाड़ी डिवाईडर से टकरा गई। हादसे में पूर्व सीएम हरीश रावत घायल हो गए। जबकि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आनन-फानन में स्थानीय पुलिस प्रशासन ने पूर्व सीएम रावत को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर हायर सेंटर रेफर किया गया। सीओ भूपेंद्र सिंह भंडारी अपनी गाड़ी से पूर्व सीएम रावत को काशीपुर के केवीआर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पूर्व सीएम रावत का इलाज चला।

बताया जा रहा है कि इलाज के बाद अस्पताल से पूर्व सीएम रावत को छुट्टी दे दी गई है। बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की प्रेस कॉन्फ्रेंस काशीपुर में होनी है। बताया जा रहा है कि पूर्व सीएम रावत को गुम चोट लगी है। गाड़ी में सवार चालक और गनर बाल-बाल बच गए। पूर्व मुख्यमंत्री रावत के सीने में दर्द है। हादसा देर रात सवा बारह बजे की बताया जा रहा है।

बीए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रेरणा व षष्टम सेमेस्टर में महिमा टॉपर

रुद्रपुर। श्री गुरुनानक देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नानकमत्ता साहिब में बीए चतुर्थ और षष्टम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। बीए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रेरणा राना ने 79.5 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, कमला भट्ट ने 78.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान, नेहा चंद ने 76.8 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीए षष्टम सेमेस्टर में महिमा कन्नौजिया ने 80.06 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, समीर सिंह ने 75.3 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान व इंद्रा ने 74.4 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। संरक्षक बाबा तरसेम सिं,ह प्राचार्य डॉ. सीता मेहता, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. इंदु बाला, अमृतपाल कौर, प्रबंधक डॉ. मनिंदर सिंह गुलाटी ने टॉपर रहे व उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स 15 दिसम्बर से दिल्ली में : विरेन्द्र सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अक्टूबर , उत्तराखंड के खेलो मास्टर्स गेम्स फाउंडेशन ऑफ़ उत्तराखंड के महासचिव / टेक्निकल डायरेक्टर एवं महत्वपूर्ण सहयोग कर्ता देहरादून फुटबाल एकेडमी (डी एफ ए) के संस्थापक अध्यक्ष / हेड कोच (पूर्व नेशनल खिलाडी, कोच एवं रेफरी) विरेन्द्र सिंह रावत ने देहरादून के प्रेस क्लब मे प्रेस वार्ता कर बताया की खेलो मास्टर्स गेम्स फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के महासचिव शैलेन्द्र सिंह (पूर्व इंटरनेशनल हॉकी खिलाडी) का पत्र मेल के द्वारा रावत को प्राप्त हुवा जिसमे बताया गया की तीसरा खेलो मास्टर्स गेम्स नेशनल चैंपियनशिप 15 दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक नई दिल्ली के सी डब्लू जी विलेज़, अक्षरधाम नई दिल्ली मे 8 विभिन्न खेलो का आयोजन होगा जिसमे एथलेटिक, फुटबाल, बास्केटबॉल, हॉकी, शूटिंग, बेडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉलीबाल खेले जायेंगे

रावत ने बताया की वर्ष 2022 मे महासचिव विरेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व मे उत्तराखंड की टीम ने एथलेटीक मे बेहतरीन प्रदर्शन किया था गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉंस मैडल जीते थे और राज्य खेल उत्तराखंड का फुटबाल मे 50 प्लस मे गोल्ड जीता था जिसमे फाइनल मे दिल्ली की मजबूत टीम को 1-0 से हराकर गोल्ड मैडल जीता था और 40 प्लस फुटबाल मे तमिलनाडु को तीसरे स्थान के लिए 2-0 से हराकर ब्रॉंस मैडल जीता था उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने किया था मंत्री जी ने उत्तराखंड को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉंज मैडल जितने पर ढेर सारी बधाई दी थी

रावत ने बताया की गोल्ड और ब्रॉंज मैडल जितने पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, केबिनेट मिनिस्टर श्री गणेश जोशी जी ने सम्मानित किया था ये उत्तराखंड के इतिहास मे पहली बार हुवा था गोल्ड और ब्रॉंज मैडल जितना, रावत ने बताया उत्तराखंड से कोई भी खिलाडी अगर 8 मे से किसी भी खेलो मे प्रतिभाग करना चाहता है तो अपना रजिस्ट्रेशन तुरंत डी एफ ए के ऑफिस इंद्रप्रस्थ कलोनी लेन नंबर 14 सी, जोगीवाला, देहरादून मे करा सकते है वाट्सअप नंबर 9319895526 पर भी करा सकते है रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 20 नवंबर है उसके बाद ट्रायल फाइनल ट्रायल होगा उसके लिए सभी को उम्र के आधार पर अंडर 30 प्लस ,40 प्लस, 50 प्लस 60,70 और 80 प्लस के खिलाड़ियों का सिलेक्शन होगा।

रावत ने बताया की इस वर्ष भी पूर्व वर्ष की भांति 200 से ऊपर मास्टर्स खिलाडी गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉंज मैडल लाकर उत्तराखंड का गौरव बढ़ायेंगे, रावत ने कहाँ बिना हमारी अनुमति के कोई भी खिलाडी इस प्रतियोगिता मे भाग नहीं लेगा रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए है। प्रेस वार्ता मे उपस्थित खेलो मास्टर्स गेम्स फाउंडेशन ऑफ़ उत्तराखंड के संरक्षक पूर्व आई पी एस अधिकारी प्रेम सिंह बिष्ट, अध्यक्ष सुभाष अरोड़ा (एनीमिटी पब्लिक स्कूल, रुद्रपुर के एम डी), उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट (पूर्व एस जी एफ आई चीफ सेलेक्टर, सीनियर उपाध्यक्ष उत्तराखंड स्टेट फुटबाल एसोसिएशन), कमल सिंह रावत (पूर्व भारतीय खिलाडी) कोषाध्यक्ष / कोऑर्डिनेटर विमल सिंह रावत, महासचिव / टेक्निकल डायरेक्टर विरेन्द्र सिंह रावत, टेक्निकल एडवाइजर डॉ सोबन चंद सिंह नेगी,स्टेट मैनेजर बिनेश राणा (पूर्व नेशनल खिलाडी), सदस्य दिलबर सिंह बिष्ट, मनीष शर्मा, विजय खंडूरी, सुनील शर्मा,प्रकाश रोनी, नन्द लाल, प्रदीप शर्मा, रविन्द्र भंडारी,संजीव कुमार, सुरेन्द्र पुन, प्रवीण चंद खंतवाल आदि रहे

जानिए काले ही क्यों होते है गाड़ी के टायर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अक्टूबर : साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, या फिर कार से लेकर ट्रक तक, जितने भी वाहन रबर के टायर पर चलते हैं, उनमें एक बात कॉमन है. वो ये कि इन सारे वाहनों के टायर काले रंग के होते हैं. गाड़ियों पर पेंट अलग-अलग रंग के हो सकते हैं, उनका आकार भी अलग-अलग ही होता है, पर टायर हमेशा काले होते हैं. क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है? चलिए आपको वजह बताते हैं.

हाल ही में किसी ने सवाल किया- "वाहनों के टायर (पहियों) का रंग काला ही क्यों होता है?" सवाल तो काफी रोचक है क्योंकि लगभग हर दिन आप अपने आसपास गाड़ियां और उनके टायर देखते ही होंगे, और शायद आपने ये भी गौर किया हो कि उन टायरों के रंग काले ही होते हैं. लोगों ने इस सवाल का जवाब दिया है.

पूजा पंत नाम की यूजर ने लिखा- "रबर का प्राकृतिक रंग दूधिया सफेद है, फिर भी हम जो काला रंग देखते हैं वह मूल रूप से soot के कारण होता है. माना जाता है कि soot सूती धागे के साथ टायर की मज़बूती को बढ़ाता है, जो गर्मी को कम करने और स्थिरता को बढ़ाने के लिए डाला जाता है. हालांकि, आज कारों पर काले टायरों का मुख्य कारण, रासायनिक यौगिक 'कार्बन ब्लैक' है. इसका उपयोग एक स्थिर रसायन के रूप में किया जाता है, जो टायर को चलाने वाले compound को बनाने के लिए अन्य पॉलिमर के साथ मिलाया जाता है. एक बार रबड़ से जुड़ने के बाद, कार्बन ब्लैक टायर की ताकत और मजबूती को बढ़ाता है, जिसे टायर निर्माताओं और कार चालकों के लिए एक आकर्षक विशेषता के रूप में देखा जाता है. एक तरह से कार्बन ब्लैक टायर के जीवनकाल का विस्तार करता है, टायर के कुछ हिस्सों से गर्मी का संचालन करता है जो विशेष रूप से गर्म हो जाते हैं जैसे कि tread और बेल्ट क्षेत्र. कार्बन टायरों की गुणवत्ता को बनाए रखते हैं, उन्हें यूवी लाइट और ओजोन से बचाते हैं.

ये है काले होने का कारण

पूजा की तरह कई अन्य यूजर्स ने भी इस सवाल का जवाब दिया है. पर चलिए आपको विश्वस्नीय सोर्स से बताएं कि इसका क्या कारण है. बर्ट ब्रदर्स नाम की एक अमेरिकन टायरों की दुकान ने अपनी वेबसाइट पर इसका जवाब दिया है. साथ ही कारों की कंपनी किया ने भी इसका जवाब दिया है. दोनों के अनुसार रबर में कार्बन ब्लैक मिलाकर टायरों को बनाया जाता है जिसकी वजह से टायरों का रंग काला हो जाता है. इस वजह से टायर ज्यादा मजबूत हो जाते हैं.

हाफ क्लच ड्राइविंग क्या होती है कब पड़ती है इसकी जरूरत?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , आपने कई बार हाफ क्लच ड्राइविंग के बारे में जरूर सुना होगा, चाहे आपके पास कार हो या नहीं। हालांकि, कई लोगों को इसके बारे में पता नहीं होता है कि इसकी जरूरत कब पड़ती है। कई बार लोग कहते हैं कि हाफ क्लच ड्राइविंग करने से गाड़ी में तकनीकी खामियां आने लगती हैं। यहां पर आपको बता रहे हैं कि हाफ क्लच ड्राइविंग क्या होती है और इसकी कब जरूरत पड़ती है। साथ ही ये भी बताएंगे की इसके क्या फायदे और नुकसान हैं।

कब पड़ती है इसकी जरूरत?

हाफ क्लच ड्राइविंग यानी जब आप फोर व्हीलर गाड़ी या कार को आधा क्लच दबाकर चलाते हैं। अगर आप कार चलाते हैं तो आपने महसूस किया होगा कि जब कार को समतल सड़क पर हाफ क्लच कर चलाते हैं तो गाड़ी में अलग सा वाइब्रेशन महसूस होता है। साथ ही इंजन भी नॉर्मल से ज्यादा आवाज करने लगता है। आपको बता दें कि हाफ क्लच का इस्तेमाल समतल जगहों पर नहीं किया जाता है। इसका इस्तेमाल सिर्फ पहाड़ी वाली सड़को पर करना चाहिए क्योंकि पहाड़ से उतरते समय गाड़ी की स्पीड अपने आप तेज हो जाती है। इसलिए इस स्थिति में हाफ क्लच का इस्तेमाल किया जाता है।

हाफ क्लच ड्राइविंग का नुकसान

हाफ क्लच में गाड़ी चलाने से उसके इंजन पर लोड पर पड़ता है क्योंकि गाड़ी को स्पीड पूरी मिलती है लेकिन क्लच उसे आगे बढ़ने नहीं देती है। अगर आप समतल सड़क पर इसका इस्तेमाल करते हैं तो इंजन में खराबी आ सकती है। इसके अलावा कार के ट्रांसमिशन के अंदर एक लीवर होता है, जिसे क्रॉस शाफ्ट भी कहा जाता है। इसका काम क्लच पैडल पर पड़ने वाले दाब को ट्रांसफर करना होता है। अगर इस स्थिति में शाफ्ट खराब हो जाती है तो पैडल को नीचे की ओर धकेलने में परेशानी आ सकती है। जिसके कारण कार में तकनीकी कमी आती हैं।

रात का खाना करता है फेफड़ों को भी कमजोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अक्तूबर। जिंदगी है, तो श्वास चलेगी। श्वास तभी चलेगी जब फेफड़ों में ताकत होगी। इस वजह से हर इंसान अपने फेफड़ों को स्वस्थ्य रखना चाहता है। इंसान चाहता है उसके फेफड़े पक्षी की तरह ताकतवर रहे ताकि उम्र की लंबी उड़ान भरे। ऐसा नामुमकिन भी नहीं है मगर पक्षी की तरह रात का खाना बंद करना होगा। ऐसा नहीं करेंगे तो चूहे की तरह रोगी रहेंगे। ऐसा चौधरी चरण सिंह विश्वद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में हुए शोध से सामने आया है। जंतु विज्ञान विभाग की प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने यह रिसर्च की है। उन्होंने बताया जीवों में सबसे ज्यादा मजबूत फेफड़े पक्षी के होते हैं। वह चाहे जितना उड़ ले मगर न थकता है और न सांस फूलती है। सर्दी और गर्मी में भी ऊंची उड़ान भरते हैं। थकान नहीं होने और सांस नहीं फूलने की वजह मजबूत फेफड़ों से समुचित मात्रा में ऑक्सीजन मिलना है।

दिन छिपने के बाद पक्षी नहीं चुगते दाना

इस वजह से पक्षियों को शुगर और ब्लड प्रेशर की बीमारी भी नहीं होती है। शोध में सामने आया है कि पक्षी में यह विशेष गुण उसकी दिनचर्या की वजह से पाया जाता है। पक्षी दिन छुपने के बाद दाना नहीं चुगता है और न ही पानी पीता है। इससे पक्षी के माइटोकांड्रिया एक्टिव रहते हैं। ऑक्सीजन शरीर और मस्तिष्क में पर्याप्त पहुंचाती है। उन्होंने बताया इंसान को दिन के 10 घंटे में दो बार खाना खाना चाहिए।

शोध में खुलासा -

पक्षी की तरह फेफड़ों को मजबूत करने के लिए रात के समय नहीं खाना चाहिए खाना।

ऐसे मजबूत करें फेफड़े

- योगासान करने से माइटोकॉन्ड्रिया एक्टिव होते हैं, जो प्रत्येक सेल में ऑक्सीजन पहुंचती है। रक्त संचार बढ़ता है, जिससे ऑक्सीजन मस्तिष्क में पहुंचती है।

- देर से सोना। रात को खाना भूखे पेट रहना। थोड़ी-थोड़ी देर में खाना गलत है ।ये हैं जीवन की जैविक घड़ी

- दिन के 10 घंटे में दो बार खाना खाएं। दो बार के खाने में आठ घंटे का अंतराल हो। हल्का नाश्ता लेना चाहिए।

- रोज-रोज खाने अथवा नाश्ते का समय बदलने से भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है।

- सुबह भोजन करना चाहिए। रात में बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

उत्तराखंड में आयुर्वेदिक तरीके से हार्ट के मरीजों का इलाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , आज बुजुर्गों के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवा भी हृदय संबंधी रोगों से जूझ रहे हैं, आये दिन देश के अलग-अलग जगहों से युवाओं के चलते-फिरते हार्ट अटैक से मौत के वीडियो सामने आ रहे हैं, जिससे आमलोग अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं,इसके इलाज के लिए महंगी एलोपैथिक दवाइयों का सहारा लिया जा रहा है लेकिन बेहतर रिजल्ट की फिर भी कोई उम्मीद नहीं.देहरादून के कैनाल रोड पर स्थित माधवबाग आयुर्वेदिक केंद्र एक ऐसा चिकित्सालय है जो हृदय संबंधी तमाम बीमारियों को बिना किसी सर्जरी के ठीक करने का दावा कर रहा है. यहां पर आयुर्वेदिक पंचकर्म पद्धति से हार्ट के रोगियों का इलाज किया जाता है. इनके पास आने वाले कई मरीज ऐसे भी हैं जिन्हें सर्जरी से भी बचाया गया है और वह माधवबाग आयुर्वेदिक केंद्र से संतुष्ट है. लोकल 18 से बातचीत करते हुए क्लीनिक हेड डॉ आदित्य बिष्ट कहते हैं कि माधवबाग में कम खर्च में हृदय संबंधी रोगों का उपचार आयुर्वेदिक तौर-तरीकों से संभव है.

आयुर्वेद पद्धति एलोपैथी की तुलना में ज्यादा बेहतर परिणाम देती हैं और शरीर में

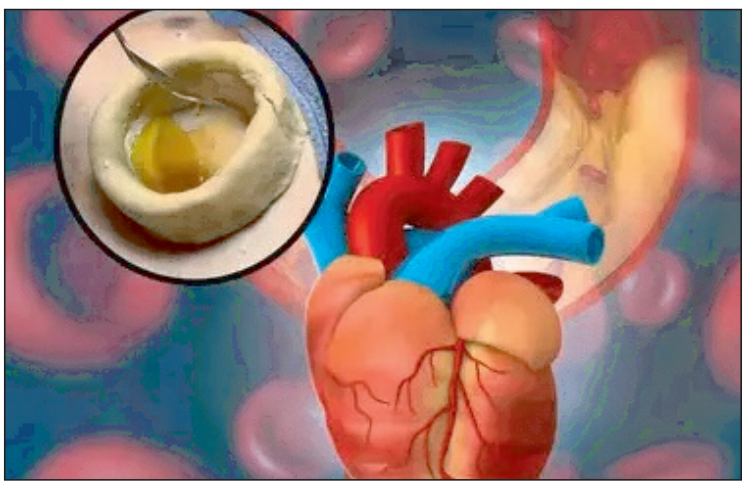

कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है. आयुर्वेदिक उपचार से रोगियों की अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु की संभावना तुलनात्मक रूप से कम है. देशभर में माधवबाग के 350 से ज्यादा आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र है. जो आज के दौर में किसी भी पद्धति को कड़ी चुनौती दे रहे हैं.

हृदय रोगियों को पंचकर्म उपचार की दी सलाह

हार्ट की बीमारियों से जूझ रहे आम लोगों को डॉ आदित्य पंचकर्म उपचार, प्राणायाम, ध्यानधारणा, सौम्य व्यायाम और आयुर्वेदिक आहार लेने की सलाह देते हैं, जिससे लिपिड प्रोफाइल में सुधार के साथ-साथ रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों की अंदरूनी दीवारों पर चर्बी, कोलेस्ट्राल और अन्य पदार्थ संचयित ना हो पायें. माधवबाग में हृदयरोगी, उच्च रक्तचाप, मोटापा, जोड़ों का दर्द और शुगर के मरीज इलाज करा सकते हैं.

पौड़ी के निर्माणाधीन बस अड्डे पर किसी भी तरह के कायक्रमों पर रोक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़। पौड़ी के निर्माणाधीन बस अड्डे पर अब किसी भी तरह के कार्यक्रमों के आयोजन पर कार्यदायी संस्था लोनिवि ने रोक लगा दी है। इन दिनों कार्यदायी संस्था लोनिवि प्रांतीय खंड पौड़ी बस अड्डे का काम कर रही है। नगर पालिका ने बीती 17 अक्तूबर को भी यहां एक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर अनुमति मांगी थी, लेकिन पालिका ने यहां अनुमति की शर्तों का पालन नहीं किया तो कार्यदायी संस्था ने अपनी अनुमति को भी वापस लेना पड़ा था। अब बाकायदा कार्यदायी संस्था ने इस संबंध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पौड़ी को एक पत्र दिया है जिसमें कहा गया कि जब तक बस अड्डे का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता है और बस अड्डा पालिका को हैंडओवर नहीं होता है तब तक यहां किसी तरह के कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सकेंगे। इस संबंध में किसी भी प्रकार के कार्यक्रम की अनुमति देनी संभव नहीं होगी। बताया गया कि बीती 17 अक्टूबर को नगर पालिका द्वारा निर्माणाधीन बस अडडे पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए लोनिवि प्रांतीय खंड से अनुमति मांगी गई थी। इस पर अनुमति भी दी गई। पालिका की ओर से आयोजन के लिए निर्माणाधीन बस अड्डे में रैन बसेरे के ऊपर मंच बनाया गया था।

निर्माणाधीन बस अड्डे की छत पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्णय पर तब सवाल भी उठे थे और इसे सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं माना गया था। लोनिवि प्रांतीय खंड ने बस अडडे का निर्माण कार्य प्रगति पर होने और सुरक्षा मानकों के मद्देनजर अनुमित को निरस्त किया था। अब ईई लोनिवि दिनेश कुमार ने नगर पालिका पौड़ी के अधिशासी अधिकारी को पत्र भेजा है। जिसमें निमार्णाधीन बस अड्डे का निर्माण कार्य पूर्ण होने और पालिका को हस्तान्तरित होने तक बस अड्डे पर किसी भी प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति के लिए मनाही कर दी गई है।

दिवाली पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आ सकते है उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नवंबर महीने में दिवाली के आसपास बाबा केदार के दर्शन करने आ सकते हैं। वहीं इस बार राज्य स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि हो सकती हैं।उत्तराखंड में अगले एक महीने के दौरान राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री का दौरा हो सकता है। इस बार राज्य स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि हो सकती हैं। उनके नवंबर माह के पहले हफ्ते में उत्तराखंड दौरे पर आने की संभावना है। शासन-प्रशासन उनके दौरे की तैयारियों को लेकर एक दौर की बैठक कर चुका है। उनसे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का दौरा होगा। धनखड़ 26 अक्तूबर को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की वनों पर संयुक्त राष्ट्र फोरम की तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आठ नवंबर को उत्तराखंड आने की संभावना है। उन्हें श्रीनगर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह में आने का निमंत्रण दिया गया है। वहीं ये भी प्रबल संभावना है कि राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह में जब भाग लेने आएंगी तो इस दौरान वह राज्य स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करेंगी। शासन-प्रशासन राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियों में जुट गया है। पहले दौर की बैठक हो चुकी है। तैयारियों को लेकर जल्द दूसरे दौर की बैठक होगी।

बाबा केदार के दर्शन के लिए आ सकते हैं पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नवंबर महीने में दिवाली के आसपास बाबा केदार के दर्शन करने आ सकते हैं। सत्ता के गलियारों में उनके उत्तराखंड आने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव प्रमोद मिश्रा के हाल ही किए गए केदारनाथ दौरे के बाद इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा है। मिश्रा 21 अक्तूबर को केदारनाथ आए थे और वहां चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लिया था। माना जा रहा कि प्रधानमंत्री दिवाली के आसपास उत्तराखंड आएंगे। केदारनाथ के कपाट 15 नवंबर भैया दूज के दिन बंद हो रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री केदारनाथ आ सकते हैं।

ट्रेन की शुरुआत या अंत में ही क्यों लगते हैं जनरल डिब्बे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अक्टूबर : ट्रेन का सफर हर किसी के लिए बेहद खास होता है. इंसान के जीवन की कई सुखद स्मृतियां ट्रेन से ही जुड़ी होती हैं. भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के जरिए हर भारतीय को इतनी अच्छी सुविधा दी है कि वो हजारों रुपये का सफर चंद रुपये खर्च कर के कर सकते हैं. अमीर व्यक्ति जहां ऐसी कोच में रिजर्वेशन करवा सकते हैं, वहीं निम्न वर्ग के लोग स्लीपर या जनरल डिब्बों में यात्रा कर लेते हैं. अगर आपको भारत की असल विविधता, मजबूरी और उत्साह को देखना है तो एक न एक बार जनरल कोच में जरूर यात्रा करें. इस कोच में कई ऐसी कहानियां निकलकर आती हैं, कई ऐसे लोग नजर आते हैं जिनसे मिलकर आप अलग इंसान बन सकते हैं. ये तो हो गई दर्शन से जुड़ी बातें, पर जनरल डिब्बों से जुड़ी एक और रोचक बात है, जिसके बारे में कम ही लोग गौर करते हैं।

क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि जनरल डिब्बे ट्रेन की शुरुआत या अंत में ही अक्सर लगाए जाते हैं? कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों है? कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने ये सवाल किया कि जनरल डिब्बे हमेशा ट्रेन के आखिर या शुरुआत में ही क्यों होते हैं. सवाल बेशक काफी रोचक है, पर क्या आप इसका जवाब जानते हैं? नहीं जानते होंगे, इसलिए सोशल मीडिया पर लोगों ने जो जवाब दिया है, उससे जान लीजिए।

ट्रेन का सफर हर किसी के लिए बेहद खास होता है. इंसान के जीवन की कई सुखद स्मृतियां ट्रेन से ही जुड़ी होती हैं. भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के जरिए हर भारतीय को इतनी अच्छी सुविधा दी है कि वो हजारों रुपये का सफर चंद रुपये खर्च कर के कर सकते हैं. अमीर व्यक्ति जहां ऐसी कोच में रिजर्वेशन करवा सकते हैं, वहीं निम्न वर्ग के लोग स्लीपर या जनरल डिब्बों में यात्रा कर लेते हैं. अगर आपको भारत की असल विविधता, मजबूरी और उत्साह को देखना है तो एक न एक बार जनरल कोच में जरूर यात्रा करें. इस कोच में कई ऐसी कहानियां निकलकर आती हैं, कई ऐसे लोग नजर आते हैं जिनसे मिलकर आप अलग इंसान बन सकते हैं. ये तो हो गई दर्शन से जुड़ी बातें, पर जनरल डिब्बों से जुड़ी एक और रोचक बात है, जिसके बारे में कम ही लोग गौर करते हैं।

क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि जनरल डिब्बे ट्रेन की शुरुआत या अंत में ही अक्सर लगाए जाते हैं? कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों है? कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने ये सवाल किया कि जनरल डिब्बे हमेशा ट्रेन के आखिर या शुरुआत में ही क्यों होते हैं. सवाल बेशक काफी रोचक है, पर क्या आप इसका जवाब जानते हैं? नहीं जानते होंगे, इसलिए कोरा पर लोगों ने जो जवाब दिया है, उससे जान लीजिए।

ट्रेन में जनरल डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या स्लीपर कोच और एसी कोच वाले यात्रियों की संख्या से ज्यादा होता है और जनरल कोच का किराया और कोच से कम होता है. उच्च क्लास यात्री को अपने कोच तक पहुंचने में दिक्कत नहीं हो, अचानक भीड़ ना हो, इसलिए जनरल डिब्बों को इंजन के साइड आगे और गार्ड बोगी के तरफ लगाया जाता है जिससे की यात्री समान रूप से वितरित हो जाए, और उच्च क्लास यात्री को ज्यादा दिक्कत ना हो, क्योंकि उच्च क्लास यात्री सामान्य से ज्यादा किराया देते हैं. लगभग सभी स्टेशन पर निकास द्वार प्लेटफार्म के बीचों बीच होता है, इसलिए भी उच्च श्रेणी के कोच बीच में लगाए जाते हैं ताकि उच्च श्रेणी वाले यात्रियों को सहूलियत मिले." लोगों को ये जवाब सही लग रहे हैं।

कंबल से मुंह ढक कर सोते हैं तो रहें अलर्ट, हो सकती है ये गंभीर बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अक्टूबर : ठंड धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। लोग सुबह-शाम ही नहीं, दिन में भी गर्म कपड़े पहन रहे हैं। कई बार लोग ठंड से बचने के लिए रात में स्वेटर, सिर में टोपी और पैरों में ऊनी मोजे लगाकर सो जाते हैं। लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं है। लंबे समय तक ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। पटना स्थित पीएमसीएच में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. संजय कुमार बताते हैं कि आमतौर पर सोने का ये रूल है मुंह ढंका हुआ नहीं होना चाहिए। ठंड कितनी भी क्यों न पड़े, सिर ढ़ंककर सोने से ब्रेन के काम करने की क्षमता कम हो जाती है। ब्रेन को कम ऑक्सीजन मिलती है।

इसका साइंटिफिक कारण यह है कि जब आप सिर को कंबल में ढंक लेते हैं तो कमरे में मौजूद फ्रेश ऑक्सीजन नहीं ले पाते। कंबल के अंदर जो ऑक्सीजन मौजूद होती है वही लेते हैं। सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया चलती रहती है। इस दौरान कंबल के अंदर ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। अशुद्ध हवा ही सांसों में जाने लगती है। चूंकि व्यक्ति नींद में होता है इसलिए उसे तब परेशानी नहीं होती। लेकिन वास्तव में सभी अंगों तक ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता।

'कांसक्वेंसेज ऑफ गेटिंग द हेड कवर्ड ड्यूरिंग स्लीप इन इन्फैंसी' रिसर्च में बीटी स्कैडबर्ग और टी मार्क स्टैंड ने बताया है कि सिर को ढक कर सोने से चेहरे पर कार्बन डाई ऑक्साइड जमा होने लगता है। इससे साइकोलॉजिकल और बिहेवियरल बदलाव देखने को मिलता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए 21 महीने और पांच महीने के शिशुओं को अलग-अलग केटेगरी में रखा। रिसर्च का मुख्य उद्देश्य सडन इंफैन्ट डेथ सिंड्रोम के बारे में पता करना था। जिन बच्चों का सिर ढंककर रखा गया था, उनके चेहरे के पास कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ी हुई थी, 3 से 10 सेकेंड के लिए सांस लेने में परेशानी हुई। इस दौरान हार्ट रेट बढ़ा हुआ था। बच्चे तेजी से सांस ले रहे थे, शरीर का तापमान भी सामान्य से अधिक था।

राजुद्दीन गादरे बने उप्र भारतीय मुस्लिम पसमांदा महासभा के अध्यक्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ। भारतीय पसमांदा मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मकसूद अहमद अंसारी ने डॉ. ताजुद्दीन अंसारी, वसीम अहमद सैफी, हाजी परवेज हसन, हाफ़िज़ गुलाम, सरवर आलम मोहम्मद फारुख अब्दुल कादिर की संस्तुति पर राजुद्दीन गादरे उत्तर प्रदेश का प्रभारी और अध्यक्ष बना गया। राजुद्दीन गादरे ने कहा कि इस्लाम मजहब में कोई ऊंच नीच नहीं है।

इस संगठन से हम लोग भाईचारा कायम कर इस्लाम मजहब का काम कर सकें। जितने भी मजलूम एकजुट होकर एक-दूसरे की समस्याओं को हल करने में मदद करें। हम मुस्लिम समाज को एक प्लेटफार्म पर लाकर साथ में काम करें और इमान का झंडा बुलंद करेंगे।

पहले हमें जो कांग्रेस ने दोयम दर्जे का नागरिक बनाया और आज बीजेपी ने हमें तीसरे दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिया। आने वाले वक्त में ऐसा ना हो कि हमसे सभी हक हकूक को छीन लिए जाए तो इसलिए एक होकर एक प्लेटफार्म के साथ समाज में जागरूकता लाने के लिए एक जुट होकर काम करेंगे। इससे सैफी समाज में खुशी का माहौल है। राजुद्दीन गादरे को मोहम्मद शोएब रहीम, मुकेश एडवोकेट, नरेश कुमार मन अंसार, जीना खान , इकबाल अहमद एडवोकेट सुरेश गौतम , मोहम्मद कसर, सैयद हसन अहमद , जसीम, अनबिया, आलिया समरीन, एडवोकेट ऑफिस मोहम्मद आसिफ सैफी पवन गुर्जर ओम प्रकाश भड़ाना, रहमतुल्लाह अंजलि चौहान आदि ने बधाई दी।

सर्दियों में लौंग की चाय पीने के 5 चमत्कारी लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , देशभर में ज्यादातर लोगों की सुबह एक कप चाय के साथ होती है. आज ये लोगों के रुटीन का एक अहम हिस्सा बन चुकी है. इसमें कई ऐसे औषधीय तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी शारीरिक समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. ज्यादातर घरों में कई तरह की चाय बनाकर पी जाती है, लेकिन क्या आप लौंग की चाय पीने के फायदे जानते हैं? जी हां, लौंग की चाय किसी एनर्जी ड्रिंक से कम नहीं होती है. यह चाय सिर्फ पीने में ही स्वादिष्ट नहीं होती है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी होती है. सर्दियों में लौंग की चाय पीने से सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी परेशानियों से मुक्ति मिलती है. आइए बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ के आयुर्वेदाचार्य डॉ. जितेंद्र शर्मा से जानते हैं सर्दियों में लौंग की चाय पीने के चमत्कारी लाभ-

सर्दी-जुकाम ठीक करेः सर्दियों में ज्यादातर लोग सर्दी-जुकाम से परेशान रहते हैं. इसके लिए लोग कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं. लेकिन आपको बता दें कि, लौंग की चाय इस परेशानी को दूर करने की क्षमता रखती है. दरअसल, लौंग की चाय एंटी-वायरल, एंटीमाइक्रोबियल व एंटीसेप्टिक जैसों गुणों का अच्छा स्रोत होती है. ये गुण संक्रमण से लड़ते हैं और सर्दी-जुकाम से राहत पहुंचाती है.

खांसी के लिए फायदेमंदः जिन लोगों को सूखी या फिर कफ वाली खांसी है, उनके लिए लौंग की चाय अधिक फायदेमंद है. बता दें कि, लौंग में एंटी ऑक्सीडेंट्स व एंटी इंफ्लमेटरी जैसे गुण मौजूद होते हैं, जो सूखी खांसी को ठीक करने में असरदार होते हैं. इसके अलावा, लौंग की चाय बलगम को पिघलाकर निकाल देती है, जिससे कफ वाली खांसी में भी आराम मिल सकता है.

दांत के दर्द को ठीक करेः दांतों के दर्द से राहत दिलाने में लौंग अधिक असरदार मानी जाती है. दरअसल, लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी जैसे गुण पाए जाते हैं, जो दांत दर्द से छुटकारा दिलाते हैं. इसके लिए आप लौंग की चाय पी सकते हैं. नियमित लौंग की चाय का सेवन करने से दांत के दर्द में जल्द ही आराम मिलता है.

पाचन क्रिया ठीक करेः खाना को ठीक से पचाने में लौंग की चाय अधिक फायदेमंद मानी जाती है. ऐसे में दोपहर का खाना खाने के डेढ़ से 2 घंटे बाद लौंग की चाय जरूर पीना चाहिए. बता दें कि, लौंग की चाय पीने से पाचन क्रिया सही रहती है, जिससे अपच, गैस व कब्ज से छुटकारा

मिलता है. स्किन को जवां रखेः नियमित लौंग की चाय पीने से स्किन की समस्याओं से निजात मिलता है. बता दें कि, लौंग में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करते हैं. इससे त्वचा संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है. इसके अलावा लौंग की चाय में एंटी कोलेस्टेरेमिक और एंटी लिपिड प्रापर्टी होती है, जिससे वजन कम करने में सहायता होती है.

किसी सख्त चीज से टकरा जाए कोहनी, तो क्यों लगता है करंट ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , बिजली का तार, या कोई स्विच छूने से करंट लगता है. इस झटके से तो बहुत से लोग परिचित होंगे, कभी न कभी हर किसी का सामना बिजली के झटके से हो जाता है. पर क्या आपने कभी बिना बिजली के लगने वाले करंट के झटके को महसूस किया है जो आपकी कोहनी पर लगता है? जब हमारी कोहनी किसी सख्त चीज से टकराती है, तो उसमें करंट लगता है. ये बहुत आम चीज है और बहुत लोग इसको अनुभव कर चुके होंगे. आज हम आपको इस झटके का कारण बताने जा रहे हैं.सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं, और आम लोग ही उनके जवाब देते हैं. हालांकि, इस जवाबों को पूरी तरह सही नहीं माना जा सकता क्योंकि हर बार जरूरी नहीं होता कि ये जवाब किसी विषय के जानकार लोगों ने दिया हो. इस वजह से हम आपको कोरा के जवाबों को बताने के बाद विश्वस्नीय सोर्सेज से भी बताते हैं कि असलियत क्या है.

कुछ समय पहले कोरा पर किसी ने पूछा- "कोहनी अचानक से टकरा जाए तो करंट क्यों लगता है?" सवाल काफी रोचक था, लोगों के जवाब उससे भी ज्यादा रोचक हैं.एक शख्स ने लिखा- "शरीर में एक अल्नर नर्व होती है. यह नर्व स्पाइन से निकलती है और कंधों से होते हुए उंगली तक पहुंचती है. यह नर्व कोहनी की हड्डी को सुरक्षा देने का काम करती है. इसलिए जब भी इस नर्व पर कोई चीज टकराती है तो इंसान को लगता है कि असर हड्डी पर हुआ है जबकि सीधे तौर पर वो अल्नर नर्व प्रभावित होती है. ऐसा होने पर न्यूरॉन्स ब्रेन तक सिग्नल पहुंचाते और रिएक्शन होने पर करंट सा झटका लगता है. कोहनी से गुजरने वाला हिस्सा केवल त्वचा और फैट से ढका होता है. इस तरह जब कोहनी किसी चीज से टकराती है तो इस नर्व को झटका लगता है. आसान भाषा में समझें तो इस हिस्से

में चोट लगने का मतलब है अल्नर नर्व पर चोट लगना. सीधे नर्व पर पड़ने वाला यह दबाव एक तेज झनझनाहट, गुदगुदी या दर्द के रूप में महसूस होता है."

जानिए आखिर किया है असल वजह

ये तो हो गए लोगों के दिए जवाब. अब चलिए आपको विश्वसनीय सोर्स से बताते हैं कि ऐसा क्यों होता है. विज्ञान पर आधारित प्रतिष्ठित वेबसाइट साइंस एबीसी की मुताबिक अल्नर नर्व को फनी बोन कहा जाता है. फनी इसलिए क्योंकि ये करंट लगने का झूठा संकेत देती है. ये गर्दन से शुरू होकर उंगलियों तक जाती है. इस नर्व का नाम उस हड्डी पर पड़ा है जो बांह के निचले हिस्से में होती है और उसका बाहर निकला हुआ उभार कोहनी का काम करता है. हमारे शरीर की सारी नर्व मांसपेशियों के द्वारा छुपी होती हैं जिससे उन्हें किसी तरह का खतरा ना हो. अल्नर नर्व के साथ भी ऐसा ही है. ये मांस और मांसपेशियों से बची रहती है मगर कोहनी वाली जगह पर, जहां हाथ की ऊपरी हड्डी और निचली हड्डी मिलती हैं, ये नर्व ढकी नहीं रहती है. यहां एक क्यूबिटल टनल होता है जहां सिर्फ स्किन और फैट से ये नर्व छुपी रहती है. इस वजह से यहां पर जब इस नर्व को छुआ जाए, तो ये सेंसेशन पैदा करती है. जब कोहनी किसी सख्त चीज से टकराती है, तो ये नर्व, हड्डी से दबती है और इसकी वजह से दिमाग बिजली के झटके जैसा अनुभव करवाता है जिससे लोग तुरंत अपनी कोहनी को वहां से हटा लेते हैं.

कोविड के बाद अचानक मोटे हो गए लोग : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अक्टूबर , आजकल मोटापा गंभीर बीमारी बन गया है. कोरोना के बाद से तो यह और भी खतरनाक होता जा रहा है. वजन बढ़ने की वजह से डायबिटीज और हार्ट डिजीज सहित कई गंभीर बीमारियां लोगों को घेर रही हैं. हाल ही में प्रिस्टीन डाटा लैब्स की रिपोर्ट में कई ऐसे चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं जो ओवरवेट और ओबेसिटी से ग्रस्त लोगों के लिए चिंताजनक हैं. स्टडी बताती है कि मोटापे से जूझ रहे लोगों को सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

प्रिस्टीन लैब्स की ओर से भारत में 3000 से ज्यादा लोगों पर की गई स्टडी बताती है कि देश में मोटापे से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए ज्यादा जागरूकता और ठोस कदम उठाने की जरूरत है. यह न केवल शारीरिक बीमारी बल्कि मानसिक बीमारी भी बनता जा रहा है.

लोगों को नहीं पता कितना हो वजन

स्टडी बताती है कि 61 प्रतिशत लोगों को अपने बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के बारे में जानकारी ही नहीं है. उन्हें पता ही नहीं है कि उनकी लंबाई या उम्र के अनुसार उनके

शरीर का वजन कितना होना चाहिए. इसके अलावा, प्रत्येक 2 में से एक उत्तरदाता का मानना है कि कोविड महामारी के बाद वजन में बढ़ोत्तरी हुई है जो जीवनशैली और स्वास्थ्य व्यवहार पर महामारी के संभावित असर को दर्शाता है.

ज्यादा मोटापे की वजह से हुए बुली और टीज : स्टडी के अनुसार, 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि मोटापे की वजह से लोगों को वर्कप्लेस या सामाजिक कार्यक्रमों में बुली या टीज का सामना करना पड़ा. उन्हें लोगों द्वारा उनके मोटापे के लिए चिढ़ाया गया.

पुलिस ने तत्परता से बुजुर्ग महिला को गांव पहुंचाया

नई टिहरी। पुलिस की चौकी नागनी पुलिसकर्मियों की तत्परता से सोशल मीडीया की मदद से बुजुर्ग महिला का पता कर महिला को उसके गांव पांगर तक पहुंचाने का बखूबी काम किया गया है। जिसके लिए पांगर के ग्रामीणों ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस की मीडीया सेल के अनुसार बीती सांय को पुलिस चौकी नागिनी में नियुक्त हेड कांस्टेबल राजेश वर्मा एवं होमगार्ड दरमियान सिंह को कस्बा नागनी में गश्त करते हुए एक अत्यंत बुजुर्ग महिला लावारिस अवस्था में घूमते हुए मिली, जो अपना नाम चंद्रा बता रही थी, इसके अतिरिक्त कुछ और नहीं बता पा रही थी, दोनों पुलिस कर्मचारी ने वृद्ध महिला को चौकी पर लाया। बुजुर्ग महिला को ढांढस बंधाते हुए उनके बारे में और अधिक जानकारी का प्रयास किया, किंतु वृद्धा कुछ नहीं बता का पा रही थी। जिस पर इन पुलिस कर्मचारी ने तत्परता से सोशल मीडिया के माध्यम से महिला फोटोग्राफ आसपास के समस्त ग्राम प्रधान एवं जनप्रतिनिधियों तथा मीडिया पुलिस से संबंधित ग्रुपों में प्रसारित किए। जिसके फलस्वरुप जल्दी ही जानकारी प्राप्त हुई कि यह वृद्ध महिला श्रीमती चंद्रकलादेवी पत्नी स्व श्री कालादास निवासी ग्राम पांगर थाना नई टिहरी है, जो विगत दो दिवस से जिला अस्पताल बौराड़ी टिहरी गढ़वाल से गुमशुदा है। तत्पश्चात ग्राम पांगर के पूर्व प्रधान रविंद्र उनियाल एवं अन्य ग्रामीणों को चौकी पर बुलाकर बुजुर्ग महिला को उनके सुपुर्द किया। ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता पर पुलिस कर्मचारी का आभार जताया।

कमलेश्वर मंदिर में खड़ दीया के लिए 100 ने कराया पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल। सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर 25 नवंबर को गोधुली बेला पर संतान प्राप्ति की कामना को लेकर परंपरानुसार विधि विधान से खड़ दीया पूजन शुरू होगा। खड़ दीया पूजन में अभी तक 100 से अधिक दंपत्तियों ने अनुष्ठान के लिए पंजीकरण करा दिया है। जबकि अभी पंजीकरण जारी हैं। आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। कमलेश्वर मंदिर के मंहत आशुतोष पुरी महाराज ने बताया कि 20 नवंबर की दोपहर तक खड़ दीया पूजन में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि खड़ दीया व्रत के लिए अभी तक विभिन्न प्रदेशों से 100 से अधिक दंपतियों ने अपना पंजीकरण करा दिया है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण कराने वालों में बेंगलुरू, मध्यप्रदेश, भोपाल, दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों की निसंतान दंपति शामिल हैं।

छुटमलपुर में हुआ राकेश टिकैत का ज़ोरदार स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 26 अक्टूबर : छुटमलपुर से जीवाला जाते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का ज्योति किरण चौक पर किसान यूनियन से जुड़े अब्दुल हसीब मलिक के नेतृत्व में ज़ोरदार स्वागत किया इस अवसर पर राकेश टिकैत ने कहा कि देश में किसान को जब तक उसकी फसलों का दाम और उनकी मांगें नहीं मानी जायेगी तब तक किसान यूनियन अपनी माँगे मनवाने के लिये सड़क से संसद तक आंदोलन करती रहेगी इस अवसर पर चौधरी विनय कुमार ,ज़िला प्रवक्ता मास्टर रघुवीर सिंह मनोज चौधरी रामबीर सिंह ,पदम सिंह, सोहनवीर सिंह ,प्रधान फ़रमान मलिक ,प्रधान नासिर अली ,महबूब तलहेड़ी ,वकील मलिक ,असलम ,याकूब हाफिज यामीन ,मोनू आमिर ,राव यूसुफ़ ,फ़ैसल मिर्ज़ा , मुकर्रम अंसारी ,परवेज़ अंसारी ,नौशाद अली ,अदीब मलिक ,याहिया मलिक ,हर्ष चौधरी ,कुदूस मलिक ,इरफान ठेकेदार ,सुखदेव चौहान ,अब्दुल अहसान ,शमीम मास्टर ,रहमान प्रधान इकराम गोल्ली ,प्रवीन ठेकेदार लाल्ला ,अंसारी ,दिलबहार ,मुजम्मिल मिस्ट्री ,वसीम मलिक ,जुल्फ़िकार ,मोईन मलिक ,मुजम्मिल मलिक आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

सरकारी 'रथ-प्रभारी'

सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और देश की सीमाओं के प्रहरी सैनिक अब 'रथ-प्रभारी' भी बनेंगे। वे मोदी सरकार, अर्थात भारत सरकार, के नौ साल की उपलब्धियों, सरकारी परियोजनाओं, का बखान करेंगे तथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुणगान करेंगे। अब सरकार के 'लोकसेवक' भी मोदी सरकार के प्रवक्ता बनेंगे। वे 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के रथी होंगे और सरकारी कार्यक्रमों का ग्रासरूट तक प्रचार करने के प्रयास करेंगे। भारत सरकार के स्तर पर कदाचित यह पहली बार कराया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग और रक्षा मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर सरकारी कर्मचारियों और नौकरशाहों को निर्देश दिए हैं। मोदी सरकार का यह फैसला राजनीतिक विवाद बनता जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस आदेश को वापस लेने का आग्रह किया है, क्योंकि सरकारी लोकसेवक 'तटस्थ' माना जाता है और चुनावों से ऐन पहले उनका 'राजनीतिकरण' करना गलत है। खडग़े कुछ हद तक तार्किक भी हैं। औसत सरकारी अधिकारी, नौकरशाह, कर्मचारी की राजनीतिक विचारधारा भारत सरकार से भिन्न हो सकती है। सेना के सैनिक और अद्र्धसैन्य बलों के जवान 'मातृभूमि' के लिए काम करते हैं। बेशक प्रशासनिक तौर पर वे भारत सरकार के अधीन हैं। औसत सरकारी कर्मचारी के नाते वे भारत सरकार की नीतियों, फैसलों, परियोजनाओं को स्वीकार करने को बाध्य हैं। सरकारी कामकाज में वे उसी लाइन पर काम करेंगे, लेकिन लोकतंत्र में वैचारिकता और मतदान करने के अधिकार स्वायत्त हैं। उन्हें 'सरकारी प्रवक्ता' बनने को विवश नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसेवा और जन-दायित्वों की आड़ में एक गलत, अनैतिक लकीर खींची है। सैनिकों को 'सालाना अवकाश' का लालच दिया गया है। अपेक्षा की जा रही है कि वे 'सैनिक राजदूत' बनकर सरकारी परियोजनाओं का प्रचार करें, ताकि उनके लाभ जमीनी स्तर के नागरिक तक पहुंचाए जा सकें। सवाल है कि एक नौकरशाह या कर्मचारी अथवा सैनिक को 'रथ-प्रभारी' बनने का निर्देश दिया जाए, ऐसा उनकी सरकारी सेवा के नियमों में कहां लिखा है? देश के नागरिक होने के नाते सरकारी जनसेवक के भी दायित्व और प्रतिबद्धताएं हैं कि वे आम आदमी की सेवा करें, लेकिन यह भी संभव है कि एक नागरिक के तौर पर वे भारत सरकार की परियोजनाओं और नीतिगत कार्यक्रमों से असहमत हों! असहमति का अधिकार हमें संविधान ने दिया है। सरकार के पास व्यापक प्रचार-तंत्र होता है। भाजपा जैसी पार्टी के पास काडर भी असीमित है। उन्हें 'रथ-प्रभारी' बनाया जा सकता है, क्योंकि अभी तक राजनीतिक परंपरा यही रही है। बहरहाल अभी तो सरकार के इस निर्णय का राजनीतिक विरोध तपा नहीं है, लेकिन उनके तर्क सही हैं कि ध्रुवीकरण के इस दौर में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का तटस्थ और स्वायत्त होना बेहद जरूरी है, ताकि जनादेश का निर्णय भी उसी विवेक के साथ किया जा सके। कुछ दल इस फैसले को अदालत में चुनौती देने पर भी विचार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि कई आईएएस स्तर के अधिकारी भी राजनीतिक तौर पर 'प्रतिबद्ध' होते हैं और सेवानिवृत्ति के बाद सांसद, मंत्री तक बनने का मौका उन्हें दिया जाता है। आरके सिंह, अश्विनी वैष्णव, हरदीप सिंह पुरी, एस. जयशंकर, अपराजिता सारंगी आदि ऐसे ही केंद्रीय मंत्री और सांसद हैं। विचारधारा उनकी भी स्वायत्तता है। इस पर कोई सवाल नहीं है। अधिकारी के तौर पर वे भारत सरकार की परियोजनाओं के 'रथी प्रवक्ता' बने हों, हमें ऐसा नहीं लगता। आजकल ओडिशा में वीके पांडियन आईएएस सेवा से रिटायर होने के बाद विवादों में हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

लंढौरा में बुखार से महिला की मौत

रुडक़ी। जैनपुर झंझेड़ी में बुखार से 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई है। इस गांव में आठ दिन के भीतर बुखार से तीन लोगों की जान जा चुकी है। जैनपुर झंझेड़ी निवासी सलीम की पत्नी को पांच दिन से बुखार आ रहा था। दो दिन पहले उसे रुडक़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मंगलवार को भगवानपुर चंदनपुर गांव में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी। उससे दो दिन पहले बुखार से ही 25 वर्षीय युवक की मौत हुई थी। इसी गांव छह दिन पहले बुखार से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी।

आपदा में जान पर बचाने पर दी जानकारी

रुडक़ी। मदरहुड विश्वविद्यालय में आपातकालीन परिस्थिति और आपदा में लोगों की जान बचाने पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ नरेंद्र शर्मा, निदेशक प्रशासन दीपक शर्मा, निदेशक प्रशासन, डॉ अनुज शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व ब्रिगेड कमांडर और उत्तराखंड सरकार के ब्रांड एंबेसडर अनिल सैनी ने बताया कि प्राथमिक उपचार जैसे दिल का दौरा पडने पर कैसे व्यक्ति को सीपीआर देकर जान बचा सकते हैं। कुलपति नरेंद्र शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हम नियमित अंतराल पर आयोजित करते रहेंगे।

पदक जीतने वाली अंशिका पहलवान को किया सम्मानित

रुडक़ी। मंगलौर क्षेत्र के ग्राम लिब्बरहेड़ी की रहने वाली पहलवान अंशिका लोहान ने नेशनल कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर हरिद्वार जिले का नाम रोशन किया है। अंशका का स्वर्गीय राजेंद्र पहलवान कुश्ती अखाड़े में स्वागत किया गया।अखाडे के संरक्षक पूर्व सांसद राजेंद्र बाडी ने नेहरू स्टेडियम में पत्रकारों से वार्ता कर बताया कि उनके अखाड़े की महिला खिलाड़ी अंशिका ने 58 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अखाडे का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता बीते सप्ताह मध्य प्रदेश भोपाल में आयोजित हुई थी। जहां पर महिला पहलवान खिलाड़ी अंशिका के पांच राउंड हुए।

संक्षिप्त खबरें

मिशन 2024 के लिए कार्यकर्ताओं से कमर कसने का आह्वान

रुडक़ी। सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि मिशन 2024 के लिए सभी कार्यकर्ताओं को कमर कस लेनी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि वह विपक्ष के दुष्प्रचार को रोकने के लिए सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखें। लिब्बरहेड़ी में भाजपा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद निशंक ने कहा कि केंद्र में जब से भाजपा की सरकार स्थापित हुई है तब से भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से लगाम लगी है। किसी भी तरह का कोई भ्रष्टाचार सरकार में सामने नहीं आया है। उनका कहना था कि जनता को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए डिजिटल नीति अपनाई गई। सब्सिडी का पैसा सीधे जनता के खाते में पहुंचने का कार्य किया गया।

जहर खाने से महिला की मौत

रुडक़ी। एक गांव निवासी महिला ने बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में जहर गटक लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। थाना प्रभारी रविंद्र शाह ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक महिला की जहर खाने से मौत हो गई है। महिला के शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

वारंट से फरार आरोपी गिरफ्तार

रुडक़ी। पुलिस ने वारंट के आधार पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि वांछित चल रहे देवबंद के मोहल्ला कौला निवासी वारंटी नसीम को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक नीरज रावत और सिपाही कुंवर सिंह मौजूद थे।

सडक़ निर्माण में घटिया सामग्री लगाने की मांग

रुडक़ी। नगर पंचायत की सभासद रुकय्या ने ईओ को शिकायती पत्र देकर वार्ड नौ में सडक़ निर्माण में घटिया सामग्री लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई और भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है। वार्ड एक की सभासद रुकय्या ने पत्र में आरोप लगाया कि वार्ड 9 में इंटरलॉकिंग टाइलों से सडक़ का निर्माण कराया जा रहा है। सडक़ में मानकों के विपरीत और निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा हैं। सभासद रुकय्या ने निष्पक्ष जांच कराकर ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है।

पारिवारिक विवाद में भाभी ने देवर पर कराया मुकदमा

रुडक़ी। मारपीट के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर लिया है। दोनों पक्षों में पारिवारिक संपत्ति को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा है। गंगनगर कोतवाली को नई बस्ती निवासी ब्रिजेश देवी ने बताया कि देवर दिनेश से पुराना विवाद चला आ रहा है। 14 जुलाई को दोनों पक्षों में पार्किंग को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि देवर ने अपने परिवार के साथ मिलकर परिजनों से मारपीट की थी। इस दौरान पुत्र मधुर गंभीर रूप से घायल हो गया था।

उत्तम शुगर मिल ने बढ़ाई पेराई क्षमता

रुडक़ी। लिब्बरहेड़ी स्थित उत्तम शुगर मिल की पेराई क्षमता 20 हजार कुंतल प्रतिदिन तक बढ़ गई है। मिल की पेराई क्षमता बढने से किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उत्तम शुगर मिल में अभी तक 60 हजार कुंतल गन्ना पेराई की प्रतिदिन की क्षमता थी, लेकिन इस बार पेराई क्षमता को बढ़ाकर 80 हजार कुंतल प्रतिदिन तक कर दिया गया है। पेराई सत्र के शुरुआती दिनों में किसान गेहूं की बुवाई के लिए जल्दी गन्ने के खेत को खाली करने में जुटे रहते हैं। ऐसे में समय पर गन्ने की खरीद नहीं होने से किसानों को या तो गन्ना कोल्हुओं में बेचना पड़ता है या फिर गेहूं की बुवाई में देरी होती है।

टीएचडीसी इंडिया और आईआईटी रुडक़ी में करार

रुडक़ी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और आईआईटी, रुडक़ी कई मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे। दोनों संस्थान विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक साथ आए हैं। समझौता ज्ञापन पर टीएचडीसीआईएल के प्रमुख (आरएंडडी) एसके चौहान एवं आईआईटी के प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी ने हस्ताक्षर किए। बुधवार को दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईआईटी परिसर में ऊर्जा संरक्षण, ली-आयन स्टोरेज बैटरी के विकल्प, इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के लिए नैनो प्रौद्योगिकी, ग्रीन हाइड्रोजन, भू-तापीय प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन एवं पुनर्चक्रण, जल प्रबंधन तथा संरक्षण, भंवर प्रेरित कंपन, सुरंग बनाने की तकनीक, जैव ईंधन, ग्रिड स्थिरता में सुधार और विभिन्न अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में काम करने को लेकर सहयोग पत्र पर हस्ताक्षर किए।

बिजली के तार चुराने के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

रुडक़ी। पुलिस ने एलटी लाइन से बिजली का तार चुराने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इस दौरान मौके से एक आरोपी फरार हो गया। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि मई, सितंबर और अक्टूबर में ऊर्जा निगम की एलटी लाइन से कई जगहों पर तार काटकर चोरी कर लिया गया था। इस मामले में जेई दिनेश कुमार तथा संजीव कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम बनाई गई थी। बताया कि सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मानकपुर आदमपुर मार्ग पर एक छोटे हाथी को रुकवाया। पुलिस को देखते ही छोटा हाथी से एक युवक भाग गया जबकि पुलिस ने चालक सहित दो लोगों को पकड़ लिया।

फर्जी चंदा वसूली के लिए एसपी देहात कार्यालय पहुंचे दो लोग

रुडक़ी। एसपी देहात के कार्यालय में भगवती जागरण के नाम पर फर्जी रसीदें काट रहे दो ठगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह फर्जी रसीदें काटकर अवैध वसूली कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मुजफ्फरनगर निवासी दो व्यक्ति बुधवार को एसपी देहात कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र में विशाल जागरण होना है। इसके लिए वह चंदा जुटाने के लिए कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस कर्मियों से जागरण के लिए चंदा मांगा। चंदे की रसीद देखकर पुलिस कर्मियों को कुछ गड़बड़ी का अंदेशा हुआ, क्योंकि उसमें कोई तारीख और नाम पता सही नहीं था।

मंत्री गणेश जोशी ने मेक्सिको की सबसे बड़ी मंडी का किया भ्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ कृषि मंत्री ने उत्तराखंड में निवेश बढ़ाने के लिए आगामी दिसंबर माह में राज्य में आयोजित होने वाले इन्वेस्टमेंट सबमिट के लिए भी किया अनुरोध

मेक्सिको 25 अक्टूबर। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने विदेश दौरे के दौरान मेक्सिको की सबसे बड़ी मंडी का भ्रमण किया गया। ज्ञात हो कि विश्व की सबसे बड़ी मंडी में से एक सेंट्रल दा ऐबसटा का कुल क्षेत्रफल 833 एकड़ में है, यहां पर प्रतिदिन 5 लाख लोग अपना व्यापार करने के लिए आते हैं तथा 60000 गाड़ियां तथा ट्रक इत्यादि प्रतिदिन इस मंडी में आते हैं। मण्डी कार्यालय में बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने वहां के अध्यक्ष को उत्तराखंडी टोपी पहनाकर सम्मानित किया और विस्तार से मेक्सिको के अधिकारियों द्वारा

जानकारी प्राप्त की गई। मंत्री ने आगामी दिसंबर माह में उत्तराखंड में आयोजित होने वाले इन्वेस्टमेंट सबमिट के लिए भी अनुरोध किया गया। जिस पर उन्होंने इन्वेस्टमेंट सबमिट में पूर्ण रूप से सहयोग देने का आश्वासन दिया। जिससे दोनों देश की मंडी की मध्य व्यापार के लिए सुगम मार्ग प्रशस्त हो सके।

कृषि मंत्री ने मंडी भ्रमण के दौरान वहां के थोक व्यापारियों से भी मुलाकात की और कई प्रकार के फलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कृषि मंत्री ने अपने दौरे के बाद बयान जारी करते हुए कहा कि हमें मण्डियों की साफ-सफाई के लिए दूरदृष्टि के साथ सोचना होगा क्योंकि स्वच्छता के प्रति जागरुकता के लिए प्रधानमंत्री मोदी लगातार आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वापसी के बाद वह कृषि विपणन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्वच्छता के लिए प्लान जारी करेंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत और मेक्सिको के मध्य उत्पादों के आयात और निर्यात के संबंध में भी चर्चा की गई।

इस दौरान कॉर्डोबा डोरा जनरल मार्सेला विलेगास सिल्वा, एलआईसी. मिगुएल एलेजांद्रो सांचेज़ कार्बाजल गेरेंटे एडमिनिस्ट्रेटिवो, कोसाम्ब के प्रबंध निदेशक डॉ. जगवीर सिंह यादव और मंडी परिषद से सचिव विजय थपलियाल भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि विश्व संघ थोक बिक्री बाजार की एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मेक्सिको के कानकुन शहर में 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक किया जा रहा है जिसमें 112 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कृषि विपणन को आगे बढ़ाना और कृषि विपणन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतियों को लेकर ये सम्मेलन हो रहा है। जिसमें उत्तराखंड की ओर से कृषि मंत्री गणेश जोशी भाग ले रहे हैं। उसके बाद जर्मनी में 2 दिन की कृषि विपणन और चुनौतियों को लेकर एक और सम्मेलन होगा, जिसमें कृषि मंत्री गणेश जोशी भी शामिल होंगे।

राइंका हिंडोलाखाल में 46 सालों राजनीतिक विज्ञान के शिक्षक नहीं

नई टिहरी। स्वतंत्रता सेनानी वचन सिंह चौहान राइंका, हिंडोलाखाल में पिछले 46 वर्षों से छात्र-छात्राएं राजनीति विज्ञान पढने से वंचित हैं। कला वर्ग का महत्वपूर्ण विषय होने के बाबजूद शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज में राजनीति विज्ञान का पद ही सृजित नहीं किया गया है। पीटीए अध्यक्ष रुकम सिंह बिष्ट के अनुसार, कई छात्र छात्राएं प्रतियोगिता परीक्षा की दृष्टि से राजनीति विज्ञान लेने के इच्छुक रहते हैं। उन्हें विवश होकर दूसरे कॉलेजो में प्रवेश लेना पड़ता है। कॉलेज में 320 तक छात्र-छात्राएं होने के बाबजूद सरकार की ओर से राजनीति विज्ञान का पद सृजित नहीं किया जाने से अभिभावकों में लगातार रोष बना रहा हैं। पीटीए अध्यक्ष ने बताया कि, इस बाबत उनके द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल में भी शिकायत की गयी थी। जिसमें सीएम कार्यालय से वित्तीय कमी के कारण राइंका हिंडोलाखाल में पद सृजित नहीं होने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि, कॉलेज में राजनीति विज्ञान विषय तो दिया गया है मगर पद सृजित नही होने से इसको पढ़ाने वालावाला कोई नही है। ऐसे में इस पद को हटा ही देना उचित होगा। उधर बीईओ श्रीकांत पुरोहित का कहना है कि, इस सबंध में विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है, जिस पर निर्णय होना बाकी है।

थत्यूड़ में तहसील दिवस 21 नवंबर को

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में तहसील धनोल्टी के थत्यूड़ में आयोजित होने वाले तहसील दिवस की तिथि में फेरबदल किया गया है। तहसील दिवस अब 21 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। डीएम की व्यस्थतता के कारण तिथि में परिवर्तन किया गया है।

डीएम मयूर दीक्षित ने उज्जवला योजना की समीक्षा की

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला उज्जवला समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में डीएम ने उज्जवला योजना के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। पात्र लोगों को योजना का लाभ देना सुनिश्चित करने को भी कहा। बुधवार को डीएम ने जिला सभागार में उज्जवला योजना समिति की बैठक योजना के पात्रता का सख्ताई से परीक्षण करने के भी निर्देश। डीएम ने कहा कि विस्तारित योजना के अन्तर्गत जनपद में प्रथम चरण में 2500 लाभार्थियों को लाभान्वित किये जाने को सभी एजेंसियों को अपने स्तर से प्रयास किये करने को कहा। डीएम ने डीएसओ को योजना के अन्तर्गत प्रगति की मासिक समीक्षा करने तथा प्रत्येक सप्ताह की अद्यतन प्रगति से अवगत कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी गैस एजेंसियों को अपने गोदाम में एवं वितरण के दौरान उचित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिये गये। जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार ने देश भर में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थी को विस्तारित करते हुए 75 लाख नये कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जिला समिति के नोडल अधिकारी सेल्स आफिसर आईओसीएल भारत सिक्का ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की जानकारी दी। जबकि सभी गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी समस्यायें इस मौके पर रखी। जिनका समिति के सदस्यों ने निराकरण किया। बैठक में सदस्य जिला उज्जवला योजना समिति नवीन चन्द्र पाण्डेय, गौरव हिरनवाल, अश्वनी कुमार सहित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मौजूद रहे।

नदी में बहे सफाई कर्मी का नहीं चला पता

श्रीनगर गढ़वाल। अलकनंदा नदी के तेज बहाव में बहे नगर निगम के सफाई कर्मी का 30 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। युवक की तलाश के लिए जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम खेजबीन में जुटी हुई है। मंगलवार को सुबह साढ़े दस बजे के करीब अपने परिजनों के साथ दशहरा पूजन करने गए नर्सरी रोड वाल्मिकी मोहल्ला निवासी अनिल(45)अलकनंदा नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया। जिससे वह नदी की धारा में बहने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ आदि की टीम ने अनिल की काफी ढूंढ खोज की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर विनोद सिंह गुसांई ने बताया कि पुलिस, एसडीआरएफ और जल पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

16 नवबंर से देवलसारी के जंगलों में होगा पक्षी महोत्सव का आयोजन

नई टिहरी। मसूरी वन प्रभाग की देवलसारी रेंज में पहली बार नवंबर माह में चार दिवसीय पक्षी महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। देवलसारी में पक्षियों के साथ विभिन्न प्रकार की तितलियों की प्रजातियां भी मौजूद हैं। जौनपुर ब्लॉक के चंबा थत्यूड़ सडक़ मार्ग से सटे देवलसारी के जंगलों में आगामी 16 से 19 नवबंर तक चार दिवसीय पक्षी महोत्सव का आयोजन किया जाऐगा। देवलसारी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास संस्थान के निदेशक अरुण गौड़ ने बताया कि महोत्सव में पक्षी प्रेमी, प्रकृति प्रेमी, पर्यावरणविद्, फोटोग्राफरों के साथ स्थानीय छात्र-छात्राऐं प्रतिभाग करेंगे। पक्षी महोत्सव में आने वाले लोगों को और पर्यटकों को पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी दी जाऐगी। साथ ही छात्रों को पैदल ट्रेकिंग भी करवाई जाऐगी। बताया बीते मई और जून माह में देवलसारी में तितली महोत्सव का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या पर्यटकों के साथ प्रकृति प्रेमियों ने प्रतिभाग किया था। संस्थान के निदेशक ने बताया कि देवलसारी क्षेत्र में हिमालयन प्रोनिया, यलो ब्रेस्टेड, हिमालयन गिप्रिन, ग्रीनपिच, लोंगटेल, मिनिविटि, ब्लैक फैगुलेन, हिमालयन ब्लैक लोर्ड टिट, लार्ज विल्ड क्रो, ब्राउन हुड आन, लाग टेल सहित विभिन्न पक्षियों की प्रजातियां मौजूद है।

डीएम की पत्नी ने किया गुनोगी आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की पत्नी प्रज्ञा दीक्षित ने बुधवार को चंबा ब्लॉक के गुनोगी आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर किशोरियों और महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन वितरित किये। उन्होंने कहा कि पीडियट्रस के दौरान किसी प्रकार की शर्म नहीं करनी चाहिए, यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। ऐसे समय पर सैनिटरी पैड चेंज करने के साथ साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रज्ञा दीक्षित ने महिलाओं को आहर में आयरन और विटामीन सी को जरुर शामिल करने,हिमोग्लोबिन की नियमित जांच करवाने के साथ अपने पोषण आहार के प्रति सजग रहने को कहा। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में मेरी सहेली सैनेटरी नैपकिन पैड वैडिंग मशीन, पोषण वाटिका, जल जीवन मिशन योजना के तहत आंगनवाड़ी में श्री टैप कनेक्शन, शौचालय, झूले आदि का भी निरीक्षण किया।

संक्षिप्त खबरें

मौर्य की संतों पर टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की संत-महंतों को लेकर टिप्पणी के खिलाफ अखिल भारतीय सनातन परिषद ने प्रदर्शन किया। परिषद के पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन भेजा। परिषद के महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा संतों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने से समस्त सनातनियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उपाध्यक्ष पंडित अविक्षित रमन ने कहा कि संत समाज, सनातन और मंदिरों पर टिप्पणी करने पर स्वामी प्रसाद का बहिष्कार किया जाना चाहिए। राजवीर सिंह कटारिया और डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि सरकार मौर्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। प्रदर्शन के दौरान शेखर कटारिया, अशोक कटारिया, अजय कुमार, पंडित अधीर कौशिक, कृष्ण शास्त्री, रघुवीर गिरी, महंत दिनेश दास, संजय पुरी आदि मौजूद रहे।

नशा का कारोबार करने वालों के खिलाफ रोजाना संयुक्त अभियान चलाए: सीडीओ

हरिद्वार। प्रभारी डीएम और सीडीओ ने ड्रग्स, शराब, भांग और जंगली भांग के अवैध कारोबार की संभावनाएं वाले क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। साथ ही क्षेत्रवार रोस्टर तैयार कर दिवाली तक रोजाना नशा का कारोबार करने वालों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने को भी निर्देशित किया है। वहीं सीडीओ ने एसडीएम को भी निर्देश दिए कि नशे के संबंध में ग्राउंड निरीक्षण करते हुए अपने स्तर से रिपोर्ट लेना सुनिश्चित करें। शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह विद्यालयों में पेंटिंग प्रतियोगिता और रैलियों आदि के माध्यम से नशे के खिलाफ जन-जागरूकता पैदा करना सुनिश्चित करें। बुधवार की रोशनाबाद विकास भवन सभागार में नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) विषय पर जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई।बैठक में एडीएम (प्रशासन) पीएल शाह ने नशे संबंधी पूर्व में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान एसडीएम लक्सर जीएस चौहान, एसडीएम भगवानपुर जितेंद्र कुमार, सीएमओ डॉ. मनीष दत्त, सीओ निहारिका सेमवाल, विजय देवराडी, ममता, अजय नेगी, राजकुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर सुराज सेवा दल के किया एसडीएम कार्यालय का घेराव

हरिद्वार। अवैध खनन, स्थानीय लोगों के साथ दुव्यवहार समेत अन्य मांगों को लेकर सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। इधर एसडीएम ने तीन दिन में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कार्यकर्ताओं ने थाली डमरू बजाकर एसडीएम को जगाने का प्रयास किया। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ज्ञानचंद ने कहा कि सरकार के इशारों पर अधिकारी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ दुव्यवहार किया जा रहा है। जनता परेशान है। महंगाई दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। आरोप लगाया कि हरियाणा के लोग स्थानीय लोगों को मारकर कानून व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। और अधिकारी मूक दर्शक बन उन्हें संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में अजय मौर्या, दैवेंद्र बिष्ट,आतिश मिश्रा, कमल हसीन, विनोद, सचिन, राजू मिश्रा, रिजवान, वंदना शर्मा आदि शामिल रहे।